इकाई - 2 Date - 09.06.2020

Topic - कक्षा - कक्ष में प्रयोग में लाए जाने वाली आकलन की कुछ प्रविधियां।

(4) निदानात्मक आकलन ⇒ जो बच्चे असफल हो रहे हैं उन बच्चों के असफलता का कारण ढूंढना निदानात्मक आकलन कहलाता है।

(5) अनौपचारिक बातचीत ⇒ बच्चे आपसी बातचीत द्वारा गणितीय अवधारणाओं की समझ बनाने के लिए आकलन कर सकते हैं। जैसे - बच्चे जिस मैदान में खेलते हैं उसको कितने कदमों से नाप कर उसकी परिमिति निकाल सकते हैं। घेरे के लिए बांस की गणना कर सकते हैं, घेरे पर आने वाले खर्च का अनुमान, मैदान के किनारे-किनारे क्यारी बनाना, फूल लगाना, इस कार्य में समय एवं खर्च का अनुमान लगाना इत्यादि

(6) अवलोकन ⇒ गणित संबंधी गतिविधियों के दौरान बच्चों द्वारा सीखने का आकलन अवलोकन के माध्यम से किया जा सकता है। अवलोकन के द्वारा बच्चों के बारे में जानकारी सामान्य तथा स्वाभाविक वातावरण ली जा सकती है। सिखाने के दौरान शिक्षक बच्चों का अवलोकन बच्चों द्वारा प्रश्नों के उत्तर देने के ढंग से कर सकते हैं। अवलोकन द्वारा बच्चों के बहुत से पहलुओं का आकलन किया जा सकता है। अवलोकन से बच्चों का आकलन व्यक्तिगत एवं सामूहिक दोनों रूपों से किया जा सकता है। शिक्षक बच्चे के व्यवहार, रुचि, सीखी गई अवधारणा का दैनिक जीवन में अनुप्रयोग इत्यादि का अवलोकन करके बच्चे के बारे में एक दृष्टिकोण बना सकते हैं। शिक्षक को बच्चे का अवलोकन विभिन्न परिस्थितियों, गतिविधियों और समयावधि में करना चाहिए। यदि बच्चे विभिन्न गतिविधियों में संलग्न होते हैं तब उनका अवलोकन करना शिक्षक के लिए सरल होता है।

(7) परियोजना ⇒ परियोजना एक निश्चित समय सीमा में ली जाती है और सामान्यतः यह आंकड़ों के एकत्रीकरण व विश्लेषण को प्रदर्शित करती है। यह सभी को खोजने के अवसर प्रदान करती है। बच्चे परियोजना को स्वयं क्रियान्वित करते तथा इससे विद्यार्थी का अवलोकन, आंकड़ों का एकत्रीकरण, विश्लेषण, आयोजन, व सामान्यीकरण आदि करते हैं। परियोजना बच्चों को समूह में तथा जिंदगी की वास्तविक परिस्थितियों में कार्य करने का अवसर प्रदान करती है।

Next

Scanned with CamScanner